Hari Naam Nahi To Jeena Kya | By Anant Haridasi Didi Meenu Sharma

हरी नाम नहीं तो जीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या
अमृत है हरी नाम जगत में
छोड़ विषय रस पीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या

काल सदा अपने रथ डोले
ना जाने कब सिर चढ़ बोले
हरी का नाम जपो मेरे भाई
इसमें बरस महीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या

तीरथ है हरी नाम तुम्हारा
फिर क्यूँ फिरता मारा मारा
अंत समय हरी नाम ना आवे
कशी और मदीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या

भूषण से सब अंग सजावे
रसना पे हरी नाम ना आवे
देह पड़ी रह जाए यहाँ पर
कुण्डल और नगीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या
हरी नाम नहीं तो जीना क्या

राधे कृष्णा राधे कृष्णा
राधे कृष्णा राधे कृष्णा
हरे राम हरे राम
राम राम हरे हरे

https://bhaktivandana.com/lyrics/hari-naam-nahi-to-jeena-kya-by-anant-haridasi-didi-meenu-sharma/